असगर वजाहत के साहित्य में चित्रित उपेक्षित समुदाय का विश्लेषण

अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय : समुदाय अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

1.1 समुदाय

1.2 समुदाय का अर्थ एवं परिभाषा

1.2.1 अर्थ

1.2.2 परिभाषा

1.3 समुदाय के आवश्यक तत्व

1.3.1 व्यक्तियों का समूह

1.3.2 भौगोलिक क्षेत्र

1.3.3 सामुदायिक भावना

1.4 समुदाय के प्रकार

1.4.1 ग्रामीण समुदाय अर्थ एवं परिभाषा

1.4.1.1 ग्रामीण समुदाय की विशेषताएँ

1.4.1.1.1 कृषि व्यवसाय

1.4.1.1.2 प्राकृतिक निकटता

1.4.1.1.3 सरल एवं सादा जीवन

1.4.1.1.4 संयुक्त परिवार

1.4.1.1.5 सामुदायिक भावना

1.4.2 नगरीय समुदाय अर्थ एवं परिभाषा

1.4.2.1 नगरीय समुदाय की विशेषताएं

1.4.2.1.1 जनसंख्या संस्कृति

1.4.2.1.2 बहुसंस्कृति का केंद्र

1.4.2.1.3 व्यवसायों में विभिन्नता

1.4.2.1.4 अंधविश्वास का विरोध

1.4.2.1.5 वैयक्तिकवाद

1.4.2.1.6 आवास की समस्या

1.4.2.1.7 राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र

1.4.2.1.8 स्वास्थ्य एवं मनोरंजन की सुविधा

1.4.2.1.9 सामाजिक गतिशीलता

1.4.2.1.10 नैतिकता का अभाव

1.5 भारतीय समाज में उपेक्षित समुदाय

1.5.1 नारी समुदाय

1.5.2 दलित समुदाय

1.5.3 आदिवासी समुदाय

1.5.4 किन्नर समुदाय

1.5.5 मुस्लिम समुदाय

1.5.6 किसान समुदाय

द्वितीय अध्याय : हिन्दी के समकालीन रचनाकार और असगर वजाहत का साहित्यिक प्रदेय

2.1 हिन्दी के समकालीन रचनाकार

2.1.1 राही मासूम राजा

2.1.2 श्रीलाल शुक्ल

2.1.3 अनवर सुहैल

2.1.4 जगदंबा प्रसाद दिक्षित

2.1.5 कमलेश्वर

2.1.6 चित्रा मुद्गल

2.1.7 सूर्यबाला

2.1.8 नासिरा शर्मा

2.1.9 उदय प्रकाश

2.1.10 सुधा अरोड़ा

2.1.11 मैत्रेयी पुष्पा

2.1.12 कृष्णा अग्निहोत्री

2.1.13 असगर वजाहत

2.2 **असगर वजाहत का साहित्यिक प्रदेय**

2.2.1 उपन्यासकार के रूप में

2.2.2 कहानीकार के रूप में

2.2.3 नाटककार के रूप में

2.2.4 अन्य साहित्यकार के रूप में

तृतीय अध्याय- असगर वजाहत के साहित्य में चित्रित नारी समुदाय का विश्लेषण

3.1 उपन्यास साहित्य में चित्रित नारी समुदाय

3.2 कहानी साहित्य में चित्रित नारी समुदाय

3.3 नाटक साहित्य में चित्रित नारी समुदाय

3.4 अन्य साहित्य में चित्रित नारी समुदाय

चतुर्थ अध्याय- असगर वजाहत के साहित्य में चित्रित दलित समुदाय का विश्लेषण

4.1 उपन्यास साहित्य में चित्रित दलित समुदाय

4.2 कहानी साहित्य में चित्रित दलित समुदाय

4.3 नाटक साहित्य में चित्रित दलित समुदाय

4.4 अन्य साहित्य में चित्रित दलित समुदाय

पंचम अध्याय- असगर वजाहत के साहित्य में चित्रित आदिवासी एवं किसान समुदाय का विश्लेषण

5.1 उपन्यास साहित्य में चित्रित आदिवासी एवं किसान समुदाय

5.2 कहानी साहित्य में चित्रित आदिवासी एवं किसान समुदाय

5.3 नाटक साहित्य में चित्रित आदिवासी एवं किसान समुदाय

5.4 अन्य साहित्य में चित्रित आदिवासी एवं किसान समुदाय

षष्ठम अध्याय- असगर वजाहत के साहित्य में चित्रित किन्नर समुदाय का विश्लेषण

6.1 उपन्यास साहित्य में चित्रित किन्नर समुदाय

6.2 कहानी साहित्य में चित्रित किन्नर समुदाय

6.3 नाटक साहित्य में चित्रित किन्नर समुदाय

6.4 अन्य साहित्य में चित्रित किन्नर समुदाय

सप्तम अध्याय- असगर वजाहत के साहित्य में चित्रित मुस्लिम समुदाय का विश्लेषण

7.1 उपन्यास साहित्य में चित्रित मुस्लिम समुदाय

7.2 कहानी साहित्य में चित्रित मुस्लिम समुदाय

7.3 नाटक साहित्य में चित्रित मुस्लिम समुदाय

7.4 अन्य साहित्य में चित्रित मुस्लिम समुदाय

अष्ठम अध्याय- असगर वजाहत के साहित्य में भाषाशैली का विश्लेषण

8.1 असगर वजाहत के साहित्य का भाषिक वैशिष्ट्य

8.1.1 तत्सम शब्द

8.1.2 तद्भव शब्द

8.1.3 उर्दू, अरबी और फारसी शब्द

8.1.4 अंग्रेजी शब्द

8.1.5 शब्दों की पुनरावृत्ति

8.2 असगर वजाहत के साहित्य का शैलीगत वैशिष्ट्य

8.2.1 वर्णनात्मक शैली

8.2.2 आत्मकथात्मक शैली

8.2.3 मनोविश्लेषणात्मक शैली

8.2.4 नाटकीय शैली

8.2.5 पत्रात्मक शैली

8.2.6 संवाद / वार्तालापशैली

8.2.7 पूर्वदीप्ति शैली

8.2.8 रिपोर्ताज शैली

8.2.9 काव्यात्मक शैली

- उहसंहार
- परिशिष्ट
- आधार ग्रंथ सूची
- संदर्भ ग्रंथ सूची
- सीमाएँ, उपलब्धियाँ, संभावनाएँ

शोधार्थी | शोध निदेशक

शोभा पी.कोरमा | प्रो.नामदेव एम. गौडा